

[This question paper contains 15 printed pages.]

Sr. No. of Question Paper : 8166

C

Roll No.....

Unique Paper Code : 241182

Name of the Paper : CP 1.2 – Financial Accounting ,

Name of the Course : B.Com. Course, Part I

Semester : I

Duration : 3 Hours

Maximum Marks : 75

### **Instructions for Candidates**

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. All questions are compulsory.
3. All questions of each section (A,B and C) should be attempted together.
4. Show all workings clearly as part of the answer.
5. Use of simple calculator is allowed.
6. Answers may be written either in English or in Hindi; but the same medium should be used throughout the paper.

### **छात्रों के लिए निर्देश**

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए ।
2. सभी प्रश्न अनिवार्य हैं ।
3. प्रत्येक खण्ड (ए, बी और सी) के सभी प्रश्नों को एक साथ करना है ।
4. सभी परिकलनों को उत्तर के साथ दिखाना है ।
5. परीक्षार्थी सामान्य कलकुलेटर का प्रयोग कर सकता है ।
6. उत्तर हिंदी या अंग्रेजी में दिये जा सकते हैं परन्तु सभी प्रश्नों के उत्तर एक ही भाषा में दिये जाने चाहिये ।

### **SECTION A**

#### **खण्ड - ए**

1. (a) State, with reasons, whether the following statements are true or false :  
(i) Revenue is recognised when cash is received.

P.T.O.

- (ii) The business entity concept can be applied to joint stock company only.
- (iii) A machine worth Rs. 50,000/- is acquired at a discount of 10%. It should be shown in the balance sheet at Rs. 45000/-.
- (iv) The principle of conservatism results in overstatement of profit. (8)
- (b) Briefly discuss the objectives of providing depreciation. (7)

(क) निम्नलिखित वक्तव्य सही हैं या गलत कारण सहित लिखिए :

- (i) लेखांकन की पुस्तकों में आय/विक्रय रोकड़ मिलने के बाद लिखते हैं।
- (ii) पृथक अस्तित्व की अवधारणा केवल कम्पनी उपक्रम में लागू होती है।
- (iii) 50000 रुपये की मशीन 10 प्रतिशत छूट पर खरीदी गई। उस मशीन को तुलन-पत्र में 45000 रुपये पर दिखाना चाहिए।
- (iv) रुढ़िवादिता सिद्धान्त के कारण लेखांकन के पुस्तकों में लाभ की रकम बढ़ जाती है।

(ख) लेखांकन की पुस्तकों में हास दिखाने के उद्देश्यों की विवेचना कीजिए।

2. On 31st March, 2012 the following Trial Balance was extracted from the books of Mr. Raj Kumar :

Particulars	Debit (Rs)	Credit (Rs)
Opening Stock	40,000	
Purchases	7,50,000	
Sales		11,00,000
Return of Goods	45,000	30,000
Land and Building	1,80,000	
Machinery	3,00,000	
Furniture	74,000	
Depreciation on		
Land and Building	20,000	
Machinery	35,000	

Furniture	15,000	
Debtors and Creditors	84,000	62,000
Bank Loan		2,00,000
Interest on Bank Loan	20,000	
Outstanding Interest on Bank Loan		5,000
Capital		292,000
Bad debts	12,000	
Provision for bad debts		11,000
Freight on purchases	8,000	
Insurance Premium	9,000	
Salaries	40,000	
Trade Expenses	7,500	
Office Expenses	28,500	
Income Tax	21,000	
Drawings	11,000	
	<b>17,00,000</b>	<b>17,00,000</b>

Additional Information :

- (i) Closing Stock on 31<sup>st</sup> March, 2012 – Rs. 35,000
- (ii) Further bad debts – Rs. 4,000  
Create a provision of 5% on debtors for bad debts.
- (iii) Goods withdrawn by the proprietor for personal use – Rs. 13,000
- (iv) Goods lost by fire – Rs. 20,000  
Claim accepted by insurance company Rs. 15,000

Prepare Trading & Profit and Loss Account for the year ending 31st March, 2012 and a Balance Sheet as on that date. (15)

P.T.O.

## OR

The Receipts and Payments Account and the Income and Expenditure Account of a club were as follows :

Receipt and Payment Account  
for the year ended 31st March, 2012

Receipts	Rs.	Payments	Rs.
Cash at bank (on 1st April 2011)	20,000	Books	12,000
Subscriptions	90,000	Prizes Awarded	25,000
Interest on Investment	15,000	Stationery	8,000
Rent	18,000	Salary	70,000
Donation for Prizes	30,000	Water and Electricity	24,000
		Furniture	19,000
		Cash at Bank (31st March 2012)	15,000
	<b>1,73,000</b>		<b>1,73,000</b>

Income and Expenditure Account  
for the year ended 31st March, 2012

Expenditure	Rs.	Income	Rs.
Stationery	7,000	Subscriptions	80,000
Salary	85,000	Rent	18,000
Water and Electricity	24,000	Interest on Investments	20,000
Depreciation on		Excess of Expenditure over Income	25,000
Building	10,000		
Furniture	14,000		
Books	3,000		
	<b>1,43,000</b>		<b>1,43,000</b>

On 1st April 2011, the club's assets and liabilities were as follows :

**Assets:** Building Rs. 200,000, Books Rs. 36,000, Furniture Rs 20,000, 10% Investments (face value Rs. 20,000) – Rs. 26,000, Stock of Stationery Rs. 1,300 and Subscriptions due Rs. 12,000.

**Liabilities :**

Salary outstanding Rs. 5,000, Subscription received in advance Rs.3,000.

Prepare Balance Sheet as on 31st March 2012.

(15)

31 मार्च, 2012 को राम कुमार की पुस्तकों में से शेष परीक्षण की निम्नलिखित मदें निकाली गईं :

मदें	डेबिट (रुपये)	क्रेडिट (रुपये)
आरम्भिक स्टॉक	40,000	
क्रय	7,50,000	
विक्रय		11,00,000
माल की वापसी	45,000	30,000
भूमि और भवन	1,80,000	
मशीनें	3,00,000	
फर्नीचर	74,000	
हास - भूमि और भवन	20,000	
हास - मशीनें	35,000	
हास - फर्नीचर	15,000	
देनदार और लेनदार	84,000	62,000
बैंक कर्ज		2,00,000
बैंक कर्ज पर ब्याज	20,000	
बैंक कर्ज पर अदत्त ब्याज		5,000
पूँजी		2,92,000
अशोध्य ऋण	12,000	
अशोध्य ऋण के लिए प्रावधान		11,000
क्रय पर भाड़ा	8,000	
बीमा के लिए प्रीमियम	9,000	
वेतन	40,000	
क्रय-विक्रय के खर्चे	7,500	
कार्यालय खर्च	28,500	
आय पर टैक्स	21,000	
आहरण	11,000	
	17,00,000	17,00,000

अतिरिक्त सूचनाएँ :

(i) अन्तिम स्टाक, 31 मार्च, 2012 - ₹ 35,000

(ii) अतिरिक्त अशोध्य ऋण - ₹ 4,000

देनदारों की रकम पर 5 प्रतिशत की दर से अशोध्य ऋण के लिए प्रावधान बनाना है।

(iii) व्यवसाय के स्वामी ने अपने व्यक्तिगत इस्तेमाल के लिए 13000 रुपये का माल निकाला।

(iv) 20000 रुपये का माल आग में जल गया। बीमा कम्पनी ने 15000 रुपये का हर्जाना देना स्वीकार किया।

31 मार्च, 2012 को समाप्त होने वाले वर्ष के लिए व्यापार खाता और लाभ-हानि खाता बनाइये और इस तारीख के लिए तुलन-पत्र तैयार कीजिए।

अथवा

एक क्लब का प्राप्ति एवं भुगतान खाता तथा आय-व्यय खाता निम्न प्रकार था :

31 मार्च, 2012 को समाप्त होने वाले वर्ष के लिए प्राप्ति एवं भुगतान खाता

प्राप्तियाँ	रुपये	भुगतान	रुपये
1 अप्रैल, 2011 को बैंक में रोकड़	20,000	पुस्तकें	12,000
चन्दा	90,000	पुरस्कार दिया	25,000
विनियोग पर ब्याज	15,000	स्टेशनरी	8,000
किराया	18,000	वेतन	70,000
पुरस्कार के लिए दान	30,000	जल और बिजली बिल	24,000
		फर्नीचर	19,000
		31 मार्च, 2012 को बैंक में रोकड़	15,000
	1,73,000		1,73,000

31 मार्च, 2012 को समाप्त होने वाले वर्ष के लिए आय - व्यय खाता

व्यय	रुपये	आय	रुपये
स्टेशनरी	7,000	चन्दा	80,000
वेतन	85,000	किराया	18,000
जल और बिजली व्यय	24,000	विनियोग पर ब्याज	20,000
हास - भवन पर	10,000		
फर्नीचर पर	14,000		
पुस्तकों पर	3,000	व्यय का आय पर अधिक्क	25,000
	1,43,000		1,43,000

1 अप्रैल, 2011 को क्लब के पास निम्नलिखित सम्पत्तियाँ और दायित्व थे :

सम्पत्तियाँ : भवन - रु. 2,00,000, पुस्तकें - रु. 36,000, फर्नीचर - रु. 20,000,  
10 प्रतिशत विनियोग (अंकित मूल्य - रु. 20,000) - रु. 26,000  
स्टेशनरी का स्टॉक - रु. 1,300, अदत्त चन्दा - रु. 12,000

दायित्व : अदत्त वेतन - रु. 5,000, अग्रिम प्राप्त चन्दा - रु. 3,000

31 मार्च, 2012 को क्लब का तुलन-पत्र तैयार करो।

### SECTION B

#### खण्ड - बी

3. (a) Write a short note on memorandum joint venture account method. (3)
- (b) H Limited forwarded on 1st December, 2011, 500 mobile phones to Mohan of Kanpur to be sold on behalf of H Limited. The cost of each mobile phone was Rs. 3,000 but the invoice price was Rs. 4,000. H Limited incurred expenses amounting to Rs. 3,800 for sending goods. Mohan received consignment on 10th December, 2011 and accepted a 3 months Bill of Exchange drawn on him by H Limited for Rs 800,000. Mohan paid Rs. 15,000 as rent and Rs. 8,000 as other expenses. By 31st March, 2012 Mohan had sold 400 mobile phones at Rs. 4,200 each. Mohan was entitled to a commission of 10% on sales including a del-credere commission of 2%. One-fifth of the sales was on credit. A customer, to whom 5 mobile phones

were sold, was declared insolvent. Mohan could not recover anything from his estate.

Prepare Consignment account and Mohan's account in the books of H Limited and H. Limited Account in the books of Mohan. (12)

**OR**

(a) Explain the accounting treatment of normal loss in consignment account with the help of a suitable example. (3)

(b) Vishal and Vivek entered into a joint venture to construct a building for contract price of Rs. 70,00,000 payable in cash. They opened a bank account in their joint name and deposited Rs. 30,00,000 each. The payments made out of joint bank account were :

- (i) Rs. 20,00,000 for Materials
- (ii) Rs. 25,00,000 for Wages
- (iii) Rs. 500,000 for Plant
- (iv) Rs. 100,000 for Architect's fees

The building was constructed in six months. However, due to some defects in the building the owner of the building deducted Rs. 500,000.

The plant was taken over by Vishal after charging depreciation at the rate of 20% p.a.

Prepare Joint Venture Account, Joint Bank Account and Accounts of Vishal and Vivek in a separate book. (12)

(क) मेमोरेन्डम संयुक्त उपक्रम खाता प्रणाली पर एक संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए ।

(ख) 1 दिसम्बर, 2011 को एच लिमिटेड ने कानपुर के मोहन को 500 मोबाइल फोन अपनी तरफ से बेचने के लिए भेजा । एक मोबाइल फोन की लागत 3,000 रुपये थी जबकि उसका बीजक मूल्य 4000 रुपये था। एच लिमिटेड ने 3,800 रुपये माल को भेजने में खर्च किए । मोहन ने 10 दिसम्बर 2011 को प्रेषण प्राप्त किया और एच लिमिटेड द्वारा अपने उपर लिखे गए 8,00,000 रुपये का विनिमय पत्र स्वीकार किया । मोहन ने 15,000 रुपये किराया और 8,000 रुपये अन्य खर्चों के लिए भुगतान किया । 31 मार्च, 2012 तक मोहन ने 400 मोबाइल फोन 4,200 रुपये प्रति मोबाइल की दर से बेच दिया । मोहन को विक्रय पर 10 प्रतिशत कमीशन पाने का हक था जिसमें 2 प्रतिशत



डेल क्रेडियर कमीशन सम्मिलित था। विक्रय का पाँचवाँ हिस्सा उधार बेचा गया था। एक ग्राहक ने 5 मोबाइल फोन उधार खरीदा था। वह दिवालिया हो गया। उसकी सम्पत्तियों में से मोहन को कुछ नहीं मिला।

एच लिमिटेड की पुस्तकों में प्रेषण खाता एवं मोहन का खाता बनाओ और मोहन की पुस्तकों में एच लिमिटेड का खाता बनाओ।

### अथवा

- (क) प्रेषण खाते में सामान्य हानि को कैसे दिखाएँगे ? एक उदाहरण की सहायता से समझाइये।
- (ख) विशाल और विवेक एक संयुक्त उपक्रम के तहत 70,00,000 रुपये में भवन बनाने का ठेका लिया। ठेके की रकम रोकड़ में देय थी। उन दोनों ने संयुक्त नाम से बैंक में एक खाता खोला जिसमें प्रत्येक ने 30,00,000 रुपये जमा किया। संयुक्त बैंक खाते से निम्नलिखित भुगतान किए गए :

माल के लिए	-	₹. 20,00,000
मजदूरी	-	₹. 25,00,000
प्लान्ट	-	₹. 5,00,000
आर्किटेक्ट की फीस	-	₹. 1,00,000

भवन का निर्माण 6 महीने में पूरा हुआ। भवन में कुछ कमियों के कारण भवन के मालिक ने ठेके की रकम में से 5,00,000 रुपया काट लिया। प्लान्ट पर 20 प्रतिशत प्रति वर्ष की दर से हास की रकम काट कर विशाल ने खरीद लिया।

संयुक्त उपक्रम की अलग पुस्तक में संयुक्त उपक्रम खाता, संयुक्त बैंक खाता तथा विशाल एवं विवेक के खाते बनाइये।

### SECTION C

#### खण्ड - सी

4. (a) A Head Office sent goods costing Rs. 50,000 at an invoice price of Rs. 60,000 to its branch at Patna. 20% of these goods were lost in transit. How will you treat the loss in the books of head office under "Debtors" and "Stock and Debtors" system. (3)

- (b) On 1st April, 2011 Deepak purchased 3 machines from Sandeep on hire purchase basis. The cash price of each machine was Rs. 100,000.

Deepak agreed to make the following payments :

On 01.04.2011	–	Rs. 120,000
On 30.09.2011	–	Rs. 80,000
On 31.03.2012	–	Rs. 80,000
On 30.09.2012	–	Rs. 80,000

Deepak paid the first three instalments but could not pay the instalment due on 30-09-2012. Deepak depreciates machinery @ 20% p.a. according to diminishing balance method. Consequently, Sandeep repossessed 2 machines after charging depreciation at the of 30% p.a. according to straight line method. Accounts of closed on 31<sup>st</sup> March each year.

Prepare Machinery Account and Sandeep Account in the books of Deepak and Deepak's Account in the books of Sandeep. (12)

**OR**

- (a) Distinguish between hire purchase system and instalment purchase system. (3)

- (b) From the following particulars prepare :

- (i) Branch Stock Account
- (ii) Branch Debtors Account
- (iii) Branch Adjustment Account
- (iv) Branch Profit and Loss Account

**1st Apr, 2011**

Branch Stock at Invoice Price	Rs. 25000
Branch Debtors	Rs. 18000

**During the year**

Goods Sent to the branch at invoice price	Rs. 120,000
Bad Debts	Rs. 3,000
Discount Allowed	Rs. 2,000
Office Expenses	Rs. 8,000

Abnormal Loss at Invoice Price	Rs. 5,000
Cash Sales	Rs. 50,000

**31st Mar, 2012**

Branch Stock at Invoice Price	Rs. 30,000
Branch Debtors	Rs. 22,000

Goods are sent to Branch at cost plus 25%.

(12)

- (क) एक हेड आफिस ने 50,000 रुपये की लागत वाला माल पटना शाखा को 60,000 रुपये बीजक मूल्य पर भेजा। रास्ते में इस माल का 20 प्रतिशत हिस्सा चोरी हो गया। हेड आफिस की पुस्तकों में इस नुकसान को 'देनदार प्रणाली' और 'स्टाक और देनदार प्रणाली' के अन्तर्गत कैसे दिखाओगे ?
- (ख) 1 अप्रैल, 2011 को दीपक ने संदीप से 3 मशीनें किराया क्रय पद्धति के अन्तर्गत खरीदा। प्रत्येक मशीन का नकद मूल्य 1,00,000 रुपये था। दीपक ने निम्नलिखित भुगतान करने का एक समझौता किया :

01-04-2011	-	रु. 1,20,000
30-09-2011	-	रु. 80,000
31-03-2012	-	रु. 80,000
30-09-2012	-	रु. 80,000

दीपक ने पहली तीन किश्तों का भुगतान कर दिया किन्तु 30 सितम्बर, 2012 को देय किश्त का भुगतान नहीं कर सका। परिणामस्वरूप संदीप ने दो मशीनों को वापिस ले लिया। दीपक मशीन पर 20 प्रतिशत की दर पर घटती शेष प्रणाली से हास लगाता है जबकि वापिस ली गई मशीनों पर संदीप ने 30 प्रतिशत की दर पर सीधी रेखा प्रणाली से हास लगाया। संयुक्त उपक्रम के खाते प्रति वर्ष 31 मार्च को बन्द किए जाते हैं।

दीपक की पुस्तकों में मशीन खाता और संदीप का खाता तथा संदीप की पुस्तकों में दीपक का खाता बनाइये।

**अथवा**

- (क) किराया क्रय पद्धति और किश्त क्रय पद्धति में अन्तर लिखिए।

- (ख) निम्नलिखित विवरणों से (i) शाखा स्टॉक खाता (ii) शाखा देनदार खाता (iii) खाता एडजस्टमेंट खाता और (iv) शाखा लाभ हानि खाता बनाइये :

1 अप्रैल, 2011

शाखा स्टॉक, बीजक मूल्य पर	-	रु. 25,000
शाखा देनदार	-	रु. 18,000
वर्ष के दौरान		
शाखा को भेजा गया माल बीजक मूल्य पर	-	रु. 1,20,000
अशोध्य ऋण	-	रु. 3,000
छूट	-	रु. 2,000
कार्यालय के खर्चे	-	रु. 8,000
असामान्य हानि, बीजक मूल्य पर	-	रु. 5,000
नकद विक्रय	-	रु. 50,000

31 मार्च, 2012

शाखा स्टॉक बीजक मूल्य पर	-	रु. 30,000
शाखा देनदार	-	रु. 22,000

शाखा को माल लागत में 25 प्रतिशत जोड़ कर भेजा जाता है।

5. A, B and C were partners in a firm sharing profits and losses in the ratio of 3:2:1. The Balance Sheet of the firm as at 31st March, 2012 was as follows :

Liabilities	Rs.	Assets	Rs.
Capital Accounts		Building	2,00,000
A 2,00,000		Machinery	1,50,000
B 1,50,000		Stock	85,000
C 1,00,000	4,50,000	Sundry Debtors 140,000	
General Reserve	24,000	Less Provision (15,000)	1,25,000
Investment Fluctuation Fund	5,000	Investments	20,000
Sundry Creditors	1,21,000	Cash at Bank	20,000
	<b>6,00,000</b>		<b>6,00,000</b>

The firm was dissolved. Various Assets realised as follows :

Building - Rs. 300,000

Machinery	–	Rs. 140,000
Stock	–	Rs. 77,000
Debtors	–	Rs. 126,000
Investment	–	Rs. 27,000

There was an unrecorded asset. Its value was estimated at Rs. 30,000. Half of this asset was taken over by an unrecorded creditor. The other half was taken over by A. Realisation expenses amounted to Rs. 8,000.

Prepare :

- (i) Realisation Account
- (ii) Capital Accounts and
- (iii) Cash at Bank Account (15)

**OR**

X, Y and Z were partners sharing profit and losses in the ratio of 5:3:2. The Balance Sheet of the firm as on 31st March, 2012 was as follows :

Liabilities	Rs.	Assets	Rs.
Capital Accounts		Machinery	36,000
X 50,000		Furniture	28,000
Y 40,000	90,000	Stock	38,000
General Reserve	20,000	Cash at Bank	19,000
Sundry Creditors	35,000	X's Drawings	10,000
X's Loan	18,000	Y's Drawings	21,000
		Z's Capital Account	11,000
	<b>1,63,000</b>		<b>1,63,000</b>

The Firm was dissolved on that date. Assets realised as follows:

Machinery	–	Rs. 31,000
Furniture	–	Rs. 26,000
Stock	–	Rs. 32,600

P.T.O.

Realisation Expenses amounted to Rs. 2,600. Z was declared insolvent and 50 paise in a rupee was recovered from his estate. Prepare necessary ledger accounts to close the books of the firm. Apply Garner vs. Murray decision. (15)

ए, बी और सी एक फर्म में साझेदार थे जो लाभ-हानि 3:2:1 के अनुपात में बाँटते थे। 31 मार्च, 2012 को उसका तुलन-पत्र निम्न प्रकार था :

दायित्व	रु.	सम्पत्तियाँ	रु.
पूँजी खाते:		भवन	2,00,000
ए 2,00,000		मशीनें	1,50,000
बी 1,50,000		स्टाक	85,000
सी 1,00,000	4,50,000	विविध देनदार 1,40,000	
सामान्य संचय	24,000	- प्रावधान (15,000)	1,25,000
विनियोग अस्थिरता कोष	5,000	विनियोग	20,000
विविधा लेनदार	1,21,000	बैंक में रोकड़	20,000
	6,00,000		6,00,000

फर्म का विघटन हो गया। विभिन्न सम्पत्तियों को निम्नलिखित कीमतों पर बेचा गया :

भवन	-	रु 3,00,000
मशीनें	-	रु 1,40,000
स्टाक	-	रु 77,000
देनदार	-	रु 1,26,000
विनियोग	-	रु 27,000

फर्म के पास एक अलिखित सम्पत्ति थी जिसकी अनुमानित मूल्य 30,000 रुपये थी। इस सम्पत्ति का आधा हिस्सा एक अलिखित लेनदार को दे दिया गया। बाकी आधा हिस्सा ए ने ले लिया। वसूली खर्च 8,000 रुपये थे।

निम्नलिखित खाते बनाइये :

- (i) वसूली खाता
- (ii) पूँजी खाते, और
- (iii) बैंक में रोकड़ खाता

अथवा

एक्स, वाई और जेड एक फर्म में साझेदार थे। उनका लाभ-हानि अनुपात 5:3:2 था। 31 मार्च, 2012

को फर्म का तुलन-पत्र निम्न प्रकार था :

दायित्व	रु.	सम्पत्तियाँ	रु.
पूँजी खाते:		मशीनें	36,000
एक्स 50,000		फर्नीचर	28,000
वाई 40,000	90,000	स्टाक .	38,000
सामान्य संचय	20,000	बैंक में रोकड़	19,000
विविध लेनदार	35,000	एक्स का आहरण	10,000
एक्स का कर्ज	18,000	वाई का आहरण	21,000
		जेड की पूँजी	11,000
	1,63,000		1,63,000

उपर्युक्त तारीख को फर्म का विघटन हो गया । सम्पत्तियाँ निम्न कीमतों पर बेची गई ।

मशीनें - रु. 31,000, फर्नीचर - रु. 26,000, और स्टाक - रु. 32,600 ।

वसूली खर्चे 2,600 रुपये थे । जेड दिवालिया हो गये । उनकी व्यक्तिगत सम्पत्तियों से एक रुपया के बदले 50 पैसे ही वसूल हो पाए ।

गार्नर बनाम मरे के निर्णय को लागू करते हुए फर्म की पुस्तकों को बन्द करने के लिए आवश्यक खाते बनाओ ।